एक नजर में

रमज़ान माह का दौर जारी, मुस्लिम समाजजनों का आज 22 वां रोजा

सरदारपुर। मुस्लिम समाजजनों का पवित्र कहलाता रमज़ान माह का दौर जारी है, गुरुवार को समाजजनो का 22 वां रोजा होगा, इस रमज़ान माह में मुस्लिम समाजजनो में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक रोजा रखकर 5 वक्त की नमाज पढकर अल्लाह से सुख-समृद्धि शांति की इबादत कर रहे हैं। मुस्लिम समाज के सरवर खांन चक्की वाले, अंसार खांन ने बताया कि रमज़ान महिना 30 दिवस का रहता है, इसके बाद चांद दिखने के बाद मीठी ईद समाजजनो द्वारा मनाई जाती है।

अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा

सरदारपुर। *NSUI* द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में क्रश्वस्त्र प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम में हुई अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन सौंपा और तत्काल समाधान निकाल करने के लिए बाध्य करा विश्विद्यालय प्रशासन को झुकना पड़ा और 7 दिनों के भीतर कॉपियों की दोबारा चेक करने के लिए मजबूर करा और सुधार कर के फिर से रिजल्ट को घोषित करने की मांग की ह्स्द्ध का मानना है कि घोषित परीक्षा परिणाम में गंभीर त्रुटियाँ एवं अनियमितताएँ सामने आई हैं, जिससे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के साथ अन्याय हुआ है और कई शिक्षा माफियाओं और विश्वविद्यालय प्रशासन की मिली भगत होने के कारण इस तरह के कृत्य होने का *Nsui* दावा करती हे जिसमें मुख्य रूप से शुभम ठाकुर, मोहित जाट, देव चौहान, परम सोनकर, कुनाल सुनहरे,रुद्र सिंह चौहान, सागर बरेठा , छोटु यादव, सौम्य चौधरी, दिनांक समेत अन्य साथी और पीड़ति छात्र छात्रा मौजूद रहे

भोपावर में 6 बीघा में कटी हुई गेहूं की फसल में शार्ट सर्किट से आग लगी, 60 क्विंटल गेहूं की फसल स्वाहा

सरदारपुर :- सरदारपुर तहसील मुख्यालय से 05 कि.मी. दूर भोपावर मे गेहूं की फसल काटकर उसके पुले की थप्पी जमाकर थ्रेशर से निकालने की तैयारी चल ही रही थी कि शार्ट सर्किट से आग लग गई और फसल जलकर स्वाहा हो गई। मिली जानकारी के अनुसार भोपावर मे नवलखा क्षेत्र मे कमल अम्बाराम सावलेचा की 06 बीघा जमीन है ।जिस पर गेहूं की फसल बोई गई थी ।फसल पक चुकी थी ।उसे काटकर पुले बनाकर एक जगह थप्पी जमाकर रख दी थी। किसान मंगलवार को थ्रेशर से गेहूं निकालने की तैयारी कर रहा थी ।तभी यकायक दोपहर मे विद्युत तारो के शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी की चपेट मे गेहूं की एक जगह जमी हुई फसल चपेट मे आ गई और फसल स्वाहा हो गई ।ग्रामीणो ने फायर ब्रिगेड सरदारपुर को सूचना दी ।लेकिन फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने तक गेहूं लगभग जलकर खाक हो चुका था। किसान कमल के अनुसार उसने 06 बीघा मे मंहगा बीज लाकर बोया था ।इस 06 बीघा जमीन से 60 क्विंटल गेहूं का उत्पादन होता ।मगर मुंह मे आया हुआ निवाला शार्ट सर्किट की चिंगारी की भेट चढ़ गया ।किसान को इससे 01 लाख 50 हजार रुपए की क्षति पहुंची है। विद्युत मण्डल रिंगनोद के सुपरवाइजर गजेन्द्र वास्केल ने बताया कि लाइनमैन को मौके पर भेजा था ।वहां हमारी लाईन से कोई फाल्ट नही हुआ है।

स्कूल में प्राचार्य की अनुपस्थिति से विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में

धार । शहर के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 की प्राचार्य ममता सोलंकी की ड्यूटी के प्रति लापरवाही विद्यार्थियों के

लिए नुकसानदायक साबित हो रही है किसी भी स्कूल में अच्छी पढ़ाई विद्यार्थियों में अनुशासन एवं स्कूल परिसर में उचित व्यवस्था के लिए प्राचार्य की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और ऐसे में यदि किसी स्कूल का प्राचार्य नियमित रूप से स्कूल ना जाए तो स्कूल की व्यवस्था और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होना तय है ऐसा ही कुछ धार के शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 मैं देखने को मिल रहा है यहां पदस्थ प्राचार्य श्रीमती ममता सोलंकी के पास तीन-तीन प्रभार हैं शासकीय हाई सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 धार, शासकीय हाई स्कूल तोरणोद शासकीय कन्या शिक्षा परिसर आवासीय धार इन तीनों के प्रभार श्रीमती ममता सोलंकी के पास है ऐसे में वह इन तीनों में से एक भी जगह ठीक से अपनी ड्यूटी नहीं निभा पा रही है नियम अनुसार उन्हें शासकीय कन्या परिसर आवासीय में ही रहना चाहिए ज्ञात होगी प्राचार्य के लिए के लिए परिसर में ही निवास स्थान बना हुआ है लेकिन वे वहां नहीं रहती हैं कुल मिलाकर तीन-तीन प्रभाव लेकर श्रीमती ममता सोलंकी सिर्फ अपना स्वार्थ सिद्ध कर रही है जिससे विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में है गौरतलब यह है कि इस मामले में वरिष्ठ अधिकारी भी अनदेखी कर बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाने में भूमिका निभा रहे हैं

परीक्षा के समय भी स्कूल में प्राचार्य की अनुपस्थित चिंता का विषय- वर्तमान में विद्यार्थियों की परीक्षाओं का समय चल रहा है बावजूद इसके प्राचार्य श्रीमती ममता सोलंकी स्कूल में नियमित रूप से नहीं आ रही है इस वजह से विद्यार्थीयो का रिजल्ट बिगड़ने की संभावना व्यक्त की जा रही है ऐसे समय में भी प्राचार्य श्रीमती ममता सोलंकी अपनी ड्यूटी के प्रति गंभीर दिखाई नहीं दे रही हैं जो की चिंता का विषय है सरकार विद्यार्थियों का भविष्य सुधारने के लिए प्राचार्य को मोटी पगार और सुविधाये दे रही है लेकिन प्राचार्य अपनी ड्यूटी ईमानदारी से ना निभाकर विद्यार्थियों के साथ अन्याय कर रही है।

श्री दशा नीमा समाज का फूलडोल महोत्सव संपन्न

इंदौर. श्री दशा नीमा समाज द्वारा केसर बाग रोड स्थित नीमा गार्डन में रंगपंचमी पर फूलडोल महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया. यह आयोजन का 50वां वर्ष था. आयोजन में समाज की उभरती प्रतिभाओं का सम्मान एवं पुरुस्कार वितरण किया गया. आयोजन में स्थानीय के अलावा उज्जैन, झाबुआ, नलखेड़ा एवं मंदसौर के समाजजन भी उपस्थित हुए. रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और क्रिकेट के रोमांचक फाइनल मैच का संयोग होने से लोगों का उत्साह दोगुना था. इस अवसर पर समाज की ख्यात और प्रतिष्ठित महिलाओं को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया. खेल प्रेमियों के लिए मेगा स्क्रीन की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां सभी ने सामूहिक रूप से मैच का आनंद लिया और अपनी राष्ट्रीय भावना का परिचय दिया. श्री दशा नीमा युवा मंच के महेश नीमा (गामा), वल्लभ नीमा एवं श्रीमती ममता नीमा ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी का आभार माना, उन्होंने बताया कि यह संस्था तीर्थ दर्शन, सामूहिक विवाह जैसे बड़े आयोजन भी कर चुकी है. कार्यक्रम का संचालन जोहरी अजय नीमा ने किया.

समर्थन मूल्य 2700 और ऋण तिथि बढ़ाने की मांग पर किसानों का प्रदर्शन

बदनावर। सोसाइटी ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च से बढ़ाकर 30 अप्रैल करने तथा गेहूं की खरीदी 2700 रू. प्रति क्विंटल पर सुनिश्चित करने की मांग को लेकर बदनावर और सरदारपुर क्षेत्र के लगभग 150 गांवों के किसानों ने बुधवार को एक साथ सहकारी समितियों पर पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

सुबह करीब 11 बजे एक ही समय पर बड़ी संख्या में ग्रामीण कृषक अपने-अपने गांवों की सहकारी संस्थाओं पर एकत्रित हुए और प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से मांगपत्र दिया। क्षेत्र में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचल के लोगों ने एक समय, एक उद्देश्य और एक स्वर के साथ संगठित होकर अपनी समस्या उठाई। किसानों का कहना है कि वर्तमान में फसल की स्थिति, बाजार की परिस्थितियों और आर्थिक दबाव को देखते हुए ऋण जमा करने की तय समयसीमा काफी कम पड़ रही है, जिससे कई परिवारों को कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए तिथि बढ़ाकर 30 अप्रैल करने की मांग की जा रही है ताकि कृषक बिना दबाव के अपनी देनदारी पूरी कर सकें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, जिसमें बीज, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और मजदूरी पर होने वाला खर्च पहले की तुलना में अधिक हो चुका है। ऐसी स्थिति में यदि खरीदी मूल्य उचित नहीं रहेगा तो खेती करने वालों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी कारण उत्पादन की लागत और मेहनत को ध्यान में रखते हुए गेहूं का भाव कम से कम ?2700 प्रति क्विंटल तय करने की मांग रखी गई है।

जिन सहकारी समितियों में एक साथ यह ज्ञापन सौंपा गया उनमें बिड़वाल, कोद, पलवाड़ा, संदला, बरमंडल, खाचरोदा, गाजनोद, कानवन, कड़ोद कला, दसाई, बखतगढ़, खिलेड़ी, काछीबड़ौदा, ढोलाना और नागदा सहित करीब 20 समितियां प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इन स्थानों पर अलग-अलग गांवों से पहुंचे कृषकों ने शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखी और उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगा। आंदोलन से जुड़े लोगों के अनुसार यह पहल केवल शुरुआत है और यदि मांगों पर समय रहते निर्णय नहीं लिया गया तो आगे भी संगठित प्रयास जारी रहेंगे। किसानों ने बताया कि अगले चरण में 13 मार्च को धार कलेक्टर को सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें क्षेत्र की समस्याओं को विस्तार से रखा जाएगा।

किसानों की एकजुटता, समस्याओं के समाधान की उठी आवाज

जरूरत पड़ने पर राज्य स्तर तक भी आवाज पहुंचाई जाएगी ताकि समाधान निकाला जा सके। ग्रामीणों का मानना है कि जब खेती से जुड़े लोग एकजुट होकर अपनी बात रखते हैं तो शासन-प्रशासन तक संदेश मजबूती से पहुंचता है और समस्याओं के समाधान की संभावना बढ़ती है। आज के इस आयोजन में बड़ी संख्या में खेतिहर परिवारों की भागीदारी देखने को मिली, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिला कि ग्रामीण अंचल में अब अपने अधिकारों और आवश्यकताओं को लेकर जागरूकता बढ़ रही है तथा लोग संगठित होकर शांतिपूर्ण तरीके से लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी मांगें सामने रख रहे हैं। अंत में उपस्थित लोगों ने कहा कि खेती और किसान दोनों देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान समय पर होना आवश्यक है। ?? जय किसान – किसान एकता जिंदाबाद।

बदनावर में सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई

बदनावर में भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा देश की प्रथम महिला शिक्षिका एवं महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ज्योतिबा फुले चौराहा स्थित आनंदेश्वर मंदिर के सामने स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

कार्यक्रम के दौरान नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने सावित्रीबाई फुले के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद महिलाओं और वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन संघर्ष, सेवा और समाज सुधार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमें उनके आदर्शों पर चलकर समाज में शिक्षा, समानता और जागरूकता को बढ़ावा देना चाहिए।

इस अवसर पर नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह पवार, संतोष राव, सुनील परमार संतोष चौहान, सुरेश राठौर हेमराज जी चौहान भेरुलाल परमार, दिनेश हारोड दयाराम बारोड महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने सावित्रीबाई फुले को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने दी।

माहेश्वरी समाज ने आईएएस पक्षाल जैन का स्वागत किया

बाग। यूपी एससी परीक्षा में देश मे 8 वी रेंक बनाने वाले नगर के बेटे पक्षाल सेकेट्री के प्रथम नगर आगमन पर माहेश्वरी समाज ने भी पक्षाल को साफा पहनाकर पुष्पहारों से स्वागत किया तो पक्षाल ने कहा पुरे माहेश्वरी समाज ने जो सम्मान दिया है वह उसके लिए अस्मणीय पल है ।इस अवसर पर समाज अध्यक्ष प्रदीप अगाल,उपाध्यक्ष संजय लड्ढा, सचिव अखलेश जाजू,कोषाध्यक्ष ब्रजमोहन जाजू,धार्मिक मंत्री श्यामसुंदर बाहेती,पूर्व अध्यक्ष कृष्णकांत झवर, रोहित झवर,गुड्डु झवर,अखलेश झवर,अनिल झवर,भरत झवर,मांगीलाल झवर सहित समाजजन उपस्थित थे।

किसानों ने बी-पैक्स कार्यालय पहुँचकर सौंपा आवेदन, ऋण अदायगी और गेहूं मूल्य पर जताई चिंता

नागदा (धार)- बदनावर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम नागदा में आज ब?ी संख्या में किसान एकत्रित हुए और बी-पैक्स (क्र-ह्वस्र) कार्यालय के माध्यम से शासन-प्रशासन के नाम आवेदन सौंपा ।किसानों ने अपनी वर्तमान समस्याओं को लेकर अधिकारियों से चर्चा की और ज्ञापन की प्रतियां सौंपी। क्षेत्र के किसान %नागदा कृषक सेवा सहकारी समिति% के कार्यालय पहुँचे। यहाँ उन्होंने सरकार को संबोधित करते हुए एक आवेदन दिया, जिसमें गेहूं की खरीदी और किसान क्रेडिट कार्ड (चिह्नित) ऋण के भुगतान को लेकर गंभीर मांगें रखी गई हैं ।किसानों ने स्पष्ट किया कि गेहूं की फसल अभी पूरी तरह उग नहीं पाई है, जिससे 31 मार्च तक ऋण चुकाना असंभव है। इसे 30 अप्रैल तक ब?ाने की मांग की गई है ।आवेदन में ?2700 प्रति क्विंटल के पूर्व आश्वासन के बावजूद ?2625 की दर से हो रही खरीदी पर विरोध दर्ज कराया गया है ।किसान मौसम की अनिश्चितता और आर्थिक तंगी के कारण वे पहले से ही दबाव में हैं। यदि समय रहते उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो किसानों पर ब्याज और जुर्माने का बोझ ब? जाएगा। उन्होंने शासन से अपील की है कि उनके हितों को ध्यान में रखते हुए त्वरित निर्णय लिया जाए। मौके पर किसान बलराम चौधरी, कृष्णा सांखला, कान्हा राठौड़, विकास जाट, अमन पाण्डे, विनोद चौधरी, प्रतीक चौहान, पुष्कर सांखला, पुष्पेंद्र नाहर, विकास जाट के द्वारा आवेदन प्रबंधक विजेंद्र सिंह सिसोदिया को सौंपा गया

माहेश्वरी समाज की लाड़ली ने नाम किया रोशन

बाग की बिटियां ने रचा इतिहास भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बनी आरुषि बाहेती

बाग - काबिलियत किसी भी शख्सियत का मोहताज नहीं होती है वह अपने हिम्मत और लगन से अपना वो सम्मानजनक स्थान अपने दम पर बना ही लेती है ।इस बात को सच कर दिखाया देश सेवा को अपना सर्वस्व समर्पण करने वाली नगर के बाहेती परिवार की बेटी आरुषि ने ।

बाग नगर के लिए यह अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है। नगर की लाडली एवं माहेश्वरी समाज की होनहार बेटी आरुषि बाहेती ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल *(Lieutenant Colonel)*

का प्रतिष्ठित पद प्राप्त कर परिवार, समाज और पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से बाग नगर सहित पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है।

बताया जा रहा है कि आरुषि बाहेती माहेश्वरी समाज की देश की पहली बेटी हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद प्राप्त कर समाज के इतिहास में एक नई उपलब्धि दर्ज की है। उनकी यह सफलता समाज की बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

बिटियां आरुषि के पिता दिलीप बाहेती एवं माता प्रियंका बाहेती ने पुत्री की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि आरुषि ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और देशसेवा की भावना के साथ यह मुकाम हासिल किया है।

बड़े भाई अंशुल बाहेती की देश प्रेम और भारतीय सेना के पराक्रम से प्रभावित होकर छोटी बहन आरुषि को देश सेवा के प्रेरित व प्रभावित कर प्रेरणा स्रोत बने भाई कि खुश शब्दों मे व्यक्त नही कि जा सकती है ।वहीं माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रदिप अंगाल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल परिवार के लिए ही नहीं बल्कि बाग नगर और पूरे माहेश्वरी समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि आरुषि ने यह सिद्ध कर दिया है कि बेटियां भी हर क्षेत्र में आगे बढ़कर देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

आरुषि बाहेती की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर माहेश्वरी समाजजनों, नगर के समाजवादी नागरिकों, मात् शक्ति, पारिवारिक मित्रों,पत्रकार बंधुओं सहित शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विजय जाट बने राष्ट्रीय जाट तेजवीर सेना के जिलाध्यक्ष

बदनावर । राष्ट्रीय जाट तेजवीर सेना के प्रदेशाध्यक्ष संदीप जाट द्वारा प्रदेश में संगठन का विस्तार का कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में धार जिले का नये अध्यक्ष विजय जाट (श्री फाइनेंस,बदनावर) को बनाया गया है। जाट की नियुक्ति पर समाजजनों व ईष्ट मित्रों ने बधाई दी है।

सनवनियुक्त जिलाध्यक्ष विजय जाट ने चर्चा में बताया कि वे जल्द ही पूरे जिले का दौरा कर जिला कार्यकारिणी घोषित करेंगे। साथ ही तहसील इकाई व गांव स्तर पर भी संगठन को मजबूत करेंगे। ज्ञात रहे विजय जाट पिछले 10 वर्षों से सामूहिक निशुल्क विवाह समारोह का भी आयोजन करते आ रहे हैं और सामाजिक कार्यों में हमेशा सक्रियता का ही उन्हें यह परिणाम मिला है..

एक नजर में वंदे मातरम : स्वर्णिम भारत थीम पर ज्ञानशिखर ओमशांति भवन में गोलमेज परिचर्चा का आयोजन

महिलाएं बच्चों को आध्यात्म की तरफ प्रेरित करें

इंदौर. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस एवं वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वंदे मातरम- स्वर्णिम भारत थीम पर ज्ञानशिखर ओमशांति भवन में गोलमेज परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें समाज के शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, राजनीति, मीडिया, समाजसेवा, व्यवसाय, आदि क्षेत्रों की प्रबुद्ध महिलाओं ने उक्त थीम पर अपने सारगर्भित विचार रखे.

पोस्टमास्टर जनरल प्रीति अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय बिखरे हुए देश को एकजुट बनाने में वंदे मातरम् गीत की बहुत बड़ी भूमिका रही जिसने देश को मां का रूप दिया, जिससे आपसी भेदभाव खत्म हो भ्रातृत्व की भावना जागृत हुई. यह महिला दिवस महिलाओं की सशक्तता, विशेषता, सुंदरता और उनके योगदान का उत्सव मनाने का दिन है. महिलाएं स्वयं आध्यात्म से जुड़कर बच्चों को भी आध्यात्म की तरफ प्रेरित करें तो उनका भटकाव कम हो सकता है. शुभारंभ में इंदौर जोन की क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने कहा कि स्वर्णिम भारत माना केवल आर्थिक रूप से समृद्धि एवं संपन्नता नहीं अपितु वहां के हर मनुष्य में श्रेष्ठ चरित्र, दिव्य गुण, पवित्रता, आदि सब कुछ था. अब पुन: भारत को विश्व गुरु, स्वर्णिम भारत बनाने के लिए नारी खुद को सशक्त व सुसंस्कारित कर अपने आचरण और बोलचाल से परिवार के लिए स्वयं को आदर्श बनाएं. डॉ. साधना सोडाणी ने कहा कि मन से ईर्ष्या, द्वेष, घृणा, आदि बुराइयों को निकाल मन को स्वच्छ बनाकर ही समाज को और बेहतर बना सकते हैं. वन संरक्षक किरण बिसेन ने अपना राजयोग मेडिटेशन का अनुभव सुनाते हुए कहा कि आध्यात्म से जुड़कर ही हमारा स्व परिवर्तन होता है, आंतरिक सौंदर्य बढ़ता है, जिससे हम जीवन में आने वाली हर परिस्थिति का सामना कर पाते हैं.

नारी सशक्तिकरण योजनाओं का लाभ लें

पूर्व महापौर डॉ. उमा शशि शर्मा ने सरकार द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए बनी योजनाओं का लाभ लेने पर बल दिया। वहीं सेंट्रल लैब की डायरेक्टर डॉ. विनीता कोठारी ने स्वयं को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए मेडिटेशन करने का सुझाव दिया. वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकार्ड्स की डायरेक्टर शुचिता शुक्ला ने कहा कि स्वर्णिम भारत का निर्माण तभी संभव है जब हमारी मातृशक्ति सशक्त, जागरूक और आत्मिक रूप से मजबूत हो. स्टेट महिला प्रेस क्लब की अध्यक्षा शीतल राय, ए.सी.पी. सीमा अलावा, डेली कॉलेज की प्रिंसिपल सोनल सिसोदिया, मां रेणुका फूड्स की डायरेक्टर वैशाली मालवीय, पटेल मोटर्स की संचालक दीपिका पटेल, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपिका वर्मा ने भी संबोधित किया. सभी उपस्थित महिलाओं का तिलक, पुष्प, माला, पट्टा एवं ताज पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया. संचालन ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी ने किया .ब्रह्माकुमारी उषा दीदी ने सभी का आभार माना.

बुद्धि तभी निर्मल, जब हम सद्गुणों को आत्मसात करेंगे

इंदौर. संसार में हमारे कर्म सतोगुण, रजोगुण और तमोगुण से घिरे होते हैं. शिव पुराण हमें अपने कर्मों को सही दिशा की ओर प्रवृत्त करने वाली कथा है. यह हमारे विवेक की जागृति का मार्ग प्रशस्त करती है. प्रशंसा से अभिमान और अभिमान से पतन निश्चित होता है, लेकिन मन और बुद्धि के समन्वय से ही हम तमोगुण से बच सकते हैं. बुद्धि तभी निर्मल और पवित्र होगी, जब हम सदगुणों को आत्मसात करेंगे. शिव पुराण पाप से निवृत्त होने की कथा है.

प्रख्यात आचार्य पं. विष्णुदत्त शर्मा महर्षि ने मंगलवार को श्रीनगर मेन स्थित गार्डन पर पंजाबी खत्री महिला मंच एवं खत्री सभा इंदौर की मेजबानी में चल रही महाशिवपुराण कथा के दूसरे दिन उपस्थित बंधुओं को विभिन्न प्रसंगों की व्याख्या के दौरान उक्त दिव्य विचार व्यक्त किए.